# प्रेस विज्ञप्ति

9 जनवरी, 2017

## नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला

### बरकरार है पुस्तकों का आकर्षण एवं रोमांच

विश्व पुस्तक मेले का तीसरा दिन सप्ताहांत के बाद का पहला कार्यदिवस होने के बावजूद खासी चहल–पहल भरा रहा। सुबह से ही बच्चे, अध्यापक और अभिभावकों की भारी भीड़ देखकर इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि आज भी पुस्तकों के प्रति लोगों में आकर्षण एवं रोमांच बना हुआ है।

**एनबीटी के 60 वर्ष** : इस वर्ष मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा पठन–संस्कृति के प्रोन्नयन की अपनी यात्रा के 60 वर्ष (1957–2017) पूरे होने के उपलक्ष्य में मेले में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी का शीर्षक "यह मात्र सिंहावलोकन नहीं" रखा गया है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य अतीत को वर्तमान एवं भविष्य से जोड़ने वाली जीवंत पुस्तकों के माध्यम से एनबीटी की गत छह दशकों की यात्रा को प्रस्तुत करना है।

मेले में इस विशेष प्रदर्शनी का आयोजन दो स्थानों पर किया गया है : पहला भाग हॉल सं.–7 के फॉयर बी में स्थित है जो एनबीटी की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों (बेस्टसेलर्स) व देशभर में एनबीटी द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों पर आधारित है, तो प्रदर्शनी का दूसरा भाग विदेशी मंडप में स्थित है जो एनबीटी के अंतरराष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रमों की झलक प्रस्तुत करता है। मेले में आने वाले पुस्तक प्रेमियों के लिए यह विशेष प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

**प्रतिलिप्यधिकार मंच** : आज मेले में बी–2–बी गतिविधियों के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा दो दिवसीय 'नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच' का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 40 प्रकाशकों द्वारा भाग लिया जा रहा है। यह अद्वितीय मंच प्रतिभागियों को अपने प्रतिलिप्यधिकार मंच को सुरक्षित करने, परस्पर भेंट करने व अपने उत्पाद एवं विचार प्रस्तुत करने के अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर कॉपीराइट क्लीयरेंस सेंटर, यूएसए के कार्यकारी निदेशक, श्री माइकल हीली ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशकों के समक्ष प्रतिलिप्यधिकार के विषय में आने वाली चुनौतियों से संबंधित चर्चा की।

**थीम मंडप** : आज हॉल नं. 7 में बने थीम मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा तमिल अलवार संत–कवि आंडाल की सुप्रसिद्ध कृति 'थिरुप्पवई' पर आधारित प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इसमें सुश्री कलावाणी राजमोहन एवं उनके समूह ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। आज इसी मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'विभिन्न भाषाओं के लेखकों से मिलिए' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हिंदी की प्रसिद्ध विदुषी, डॉ. अनामिका; कोलकाता से आईं बांग्ला लेखिका डॉ. स्वाति गुहा तथा मलयालम लेखिका, सुश्री वी.एम. गिरिजा उपस्थित थीं। यहाँ उपस्थित लेखिकाओं ने अपनी–अपनी रचनाओं के कुछ अंशों का पाठ किया। सुश्री गिरिजा ने अपनी पुस्तक 'स्लीपिंग ब्यूटी' में से कविता पाठ किया और उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है। यहाँ अनेक भाषाएँ एवं संस्कृतियाँ हैं, उसके बावजूद हम सभी एक सूत्र में बँधे हैं।

**लेखक मंच** : आज मेले में लेखक मंच पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास तथा मीडिया स्कैन ट्रस्ट द्वारा 'गूगल टू गीता' विषय पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

**बाल मंडप** : मेले में बने आकर्षक बाल मंडप पर आज भी बच्चों एवं उनके अभिभावकों को बड़ी संख्या में कार्यक्रमों का आनंद लेते देखा गया। आज यहाँ मध्यम साहित्यिक संस्थान द्वारा काव्य पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि एवं बाल–साहित्यकार, श्री दिविक रमेश; वरिष्ठ पत्रकार एवं व्यंग्यकार, श्री अनूप श्रीवास्तव; रचनाकार, श्री रामकिशोर उपाध्याय तथा लेखक, नीलोत्पल मृणाल उपस्थित थे। यहाँ उपस्थित लेखकों एवं कवियों ने अत्यन्त रोमांचक ढंग से बच्चों की कविताओं का पाठ किया। आज इस मंडप पर सर्वोदय विद्यालय, आनंद विहार द्वारा 'बहादुर बच्चों से मिलिए' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्री हरीशचंद्र मेहरा उपस्थित थे जिन्हें 26 जनवरी, 1958 को प्रथम अद्‌भुत साहस पुरस्कार प्रदान किया गया था। साथ ही, यहाँ वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले दो बच्चे, महिका गुप्ता तथा सागर कश्यप भी उपस्थित थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस के अनुभव सभी बच्चों के साथ साझा किए। इस अवसर पर लेखक, रजनीकांत भी उपस्थित थे जिन्होंने इन बहादुर बच्चों की घटनाओं को अपने लेखन में उतारा है। इन्हीं की पुस्तक 'साहसिक घटनाएँ' का लोकार्पण हुआ। यह पुस्तक वीरता पुरस्कार प्राप्त 22 बच्चों की कहानियों का संकलन है।